हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 20 अप्रैल 2026

11 भगवान परशुराम को याद कर किया नमन

12 यूएस ट्रेड डील एवं एमएसपी कानून को लेकर मंडी...

खबर संक्षेप

ठगों ने युवक के खाते से निकाले 37500 रुपये

बहल। क्षेत्र के गांव के युवक के खाते से साइबर फ्रॉड के जरिए 37,500 रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर थाना बहल पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव पाजू निवासी मांगेराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 18 मार्च 2026 को एक व्यक्ति ने धोखे से उसके खाते से 37,500 रुपये निकाल लिए। शिकायत में आरोपी का नाम नितेश कुमार साहनी बताया गया है। शिकायत में उसका मोबाइल नंबर भी पुलिस को दिया गया है। पुलिस थाना प्रभारी संजय ने बताया कि मामले की जांच जारी है। पुलिस प्रभारी संजय ने का कहा कि साइबर ठगी के मामलों में लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है और किसी भी संदिग्ध कॉल या लिंक पर अपनी बैंकिंग जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए।

धोखाधड़ी करके निकाले 50 हजार रुपये

बहल। बहल क्षेत्र के गांव खावा निवासी व्यक्ति के बैंक खाते से धोखाधड़ी से 50 हजार रुपये की राशि निकाले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर थाना बहल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव खावा निवासी सोनू शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका बैंक ऑफ बड़ौदा में खाता है जिसमें से किसी अज्ञात ने 2 फरवरी 2026 को 50 हजार रुपये की राशि निकाल ली। उसे पैसे निकालने का तब पता चला जब उसके नंबर पर मैसेज आया। पीड़ित के अनुसार आरोपी का बैंक खाता नंबर और मोबाइल नंबर भी सामने आया है। थाना बहल पुलिस ने बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी कुमार ने बताया कि पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिकअप ने स्विफ्ट को मारी टक्कर, महिला की मौत

बहल। शुक्रवार शाम को शेरला बस स्टैंड के नजदीकपिकअप गाड़ी ने स्विफ्ट कार में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गाड़ी चालक व एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल महिला की हिसार के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि कार चालक उपचाराधीन है। पुलिस ने कार चालक को शिकायत पर पिकअप चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने दी शिकायत में सिधनवा निवासी संदीप कुमार ने बताया कि वह शुक्रवार को भिवानी निवासी महिला बीना को भिवानी से सुधीवास छोड़ने के लिए स्विफ्ट कार में जा रहा था। शाम करीब 6 बजे जैसे ही वह शेरला बस स्टैंड के पास पहुंचा तो सामने से आ रही एक पिकअप गाड़ी ने तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए उसकी कार को टक्कर मार दी। हादसे में उसकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने घटना की सूचना डायल 112 पर दी।

स्थानीय लोगों ने दमकल कर्मियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मोर्चा संभाला

गर्मी के बीच खेतों में लगी आग, अनेक खेतों में गेहूं के अवशेष जलकर खाक

सूचना मिलते ही दमकल विभाग का दस्ता मौके पर पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा स्थित दाताराम कॉलोनी के पास स्थित खेतों में रविवार को अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। गेहूं की सूखी पराली और तेज हवाओं के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे आसपास के खेतों में खड़ी फसल पर भी संकट मंडराने लगा। हालांकि लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया,लेकिन आग की लपटें ओर तेज हो गई। किसानों ने इस बारे में दमकल दस्ते को दिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग का दस्ता मौके पर पहुंचा और आग बुझाने में जुट गया। दूसरी तरफ आगजनी की घटना के बाद किसानों में भी हड़कम्प मच गया।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दमकलकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही थी। ऐसे में क्षेत्र के सक्रिय युवा और समाजसेवी रविश सैनी ने अपनी जान की परवाह न करते हुए दमकलकर्मियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मोर्चा संभाला। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि रविश सैनी दमकल की गाड़ी के ऊपर चढ़कर पानी की बौछार (वाटर कैनन) से आग बुझाने में मदद कर रहे हैं। उनके इस साहसी कदम ने न केवल दमकलकर्मियों का हौसला बढ़ाया, बल्कि आग को रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ने से रोकने में भी अहम भूमिका निभाई। स्थानीय निवासियों ने रविश सैनी के इस जज्बे की जमकर तारीफ की है। वहीं रविश सैनी ने बताया कि दमकलकर्मी भी इंसान है और हमें उन्हें नहीं सभी को ऐसी स्थिति में आग पर काबू पाने के सहयोग करना चाहिए। वहीं उन्होंने बताया कि उन्हें अपने माता-पिता, परिवार व साथियों से एक दूसरे से मदद करने की प्रेरणा मिली है। गनीमत यह रही कि अगर आग पर जल्द काबू नहीं पाया जाता तो आग की लपटें रिहायशी कॉलोनी को भी अपनी आगौश में ले लेती। यहां यह बताते चले कि अब खेतों में गेहूं की कटाई का कार्य चल रहा है। गेहूं के अवशेष पड़े है। अगर आग पर काबू नहीं पाया जाता तो आग अन्य खेतों तक फैल जाती।

बवानीखेड़ा। खेतों में लगी आग को बुझाते किसान व आग बुझाते दमकल कर्मी।

पारा लगा उपर चढ़ने

दो दिनों तक मौसम का मिजाज बदलने के बाद आज रविवार को फिर से मौसम साफ हो गया। जिस वजह से पारा फिर से उपर बढने लगा। रविवार को पारा फिर से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हालांकि दिन भर बीच बीच में बादलों की वजह से लोगों को थोड़ी सी गर्मी से राहत मिली,लेकिन फिर मौसम खुश्क होने की वजह से पारा एकदम उपर चढने लगा। जिसके चलते लोग गर्मी से बेहाल नजर आए। दूसरी तरफ ग्रामीण इलाकों में बिजली के कटों की वजह से लोगों ने खासी परेशानी उठानी पड़ी। यहां यह बताते चले कि सुबह आठ बजे लाइट का कट लग जाता है और शाम को पांच बजे के आसपास बिजली की सप्लाई पहुंचती है,लेकिन इतने अंतराल के दौरान लोग गर्मी से बेहाल नजर आए।

भिवानी। नवनियुक्त पदाधिकारियों का अभिनंदन करते परिषद के सदस्य।

समाज हित की शपथ दिलवाई

देवदत्त सोनी स्वर्णकार सेवा परिषद के प्रधान बने

- भिवानी की नई कार्यकारिणी का निर्विरोध हुआ गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

स्वर्णकार सेवा परिषद के चुनाव रविवार को निजी रेस्तरां में संपन्न हुआ। सर्वसम्मति से चुनी नई कार्यकारिणी में अनुभवी मार्गदर्शकों और ऊर्जावान युवाओं का संगम देखने को मिला है। बैठक के दौरान समाज की एकजुटता पर बल देते हुए नई टीम को समाज हित में कार्य करने की शपथ दिलवाई। चुनाव प्रक्रिया के दौरान समाज के प्रतिष्ठित सदस्य हरिचरण वर्मा को उनके लंबे अनुभव और मार्गदर्शन को देखते हुए परिषद के सर्वोच्च पद यानी संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी। वहीं समाज के कार्यों में सक्रिय रहने वाले देवदत्त सोनी को सर्वसम्मति से प्रधान चुना।

किया स्वागत

वहीं नई कार्यकारिणी में अजय कुमार गौतान व अधिवक्ता कुलदीप सोनी को उपप्रधान, विनोद सोनी को महासचिव, एडवोकेट प्रवीण सोनी को सचिव, योगेंद्र सोनी को सहसचिव, डॉ. सुंदर सिंह शिलवंत को कानूनी सलाहकार, प्रदीप कुमार को कोषाध्यक्ष, अशोक कुमार को ऑडिटर तथा मनीष वर्मा को प्रचार सचिव चुना गया। समाज के 10 अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनीत किया है, जिनमें राजेंद्र लांबा, सुभाष ठेकेदार, कृष्ण कुमार, केके वर्मा, नरेश तहसीलदार, डॉ. दलीप सिंह, राजकुमार वर्मा, महेंद्र खीपल और विजय कुमार जैसे नाम शामिल रहे। नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत फूल-मालाओं से किया। प्रधान देवदत सोनी ने कहा कि परिषद का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना और भाईचारे को बढ़ावा देना है। नवनियुक्त संरक्षक हरिचरण वर्मा ने कहा कि स्वर्णकार सेवा परिषद पिछले कई वर्षों से होनहार बच्चों को प्रोत्साहित कर रही है।

युवाओं को जोड़ा जाएगा पर्यावरण संरक्षण से

- राजेश भारद्वाज बने पर्यावरण आयोग में हरियाणा के चेयरमैन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

हरियाणा में पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए युवा नेता राजेश भारद्वाज को पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन आयोग का हरियाणा प्रदेश चेयरमैन नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत शर्मा द्वारा की गई है। इस नियुक्ति से प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद है। राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत शर्मा ने राजेश भारद्वाज की नियुक्ति पर विश्वास जताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में हरियाणा में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त अभियान और स्वच्छ पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम को बढ़ावा दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता, ग्रीन एनर्जी (सौर ऊर्जा) को बढ़ावा, तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण पर भी विशेष कार्य किया जाएगा। नवनियुक्त चेयरमैन राजेश भारद्वाज ने कहा कि पर्यावरण को जनआंदोलन बनाना, नई योजनाओं और जनभागीदारी पर उनका विशेष फोकस रहेगा।

तोशाम। नवनियुक्त राजेश भारद्वाज। फोटो : हरिभूमि

रितू श्योराण करेंगी भारतीय कबड्डी टीम की अगुवाई

- गांव काकड़ौली व ससुराल बिलावल में खुशी का माहौल परिजनों में खुशी की लहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

उपमंडल के गांव बिलावल निवासी इंडियन कबड्डी टीम मैनेजर नसीब जांघु की पत्नी व अंतरराष्ट्रीय महिला कबड्डी खिलाड़ी रितू श्योराण को छठे एशियन बीच गेम्स के लिए भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान की जिम्मेवारी सौंपी गई है, जिससे पहले भी वह विश्व कप में भारतीय टीम को गोल्ड जीतवा चुकी है।

रीतू श्योराण के कप्तान चुनने पर पैतृक गांव में खशुी की लहर है और उनके पैतृक गांव काकड़ौली हठ्ठी व ससुराल बिलावल में बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। चीन के सान्या शहर में 22 अप्रैल से 27 अप्रैल तक 6वें एशियन बीच गेंस का आयोजन किया जा रहा है जिसमें एंचयौर कबड्डी फेडरेशन आफ इंडिया द्वारा चयनित भारतीय टीम की कमान रितू श्योराण को सौंपी गई है।

नसीब जांघु को मैनेजर की जिम्मेदारी

अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए भारतीय टीम को एक माह से कड़ा प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वहीं टीम प्रबंधन के तौर पर नसीब जांघु को मैनेजर का कार्यभार सौंपा गया है। रितु श्योराण सहित टीम के चयनित खिलाड़ियों ने इंटरनेशनल कबड्डी संघ निदेशक तेजस्वी गहलोत, विनीत विभोर जैन अध्यक्ष एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया, जितेंद्र ठाकुर महासचिव कबड्डी एमेच्योर फेडरेशन ऑफ इंडिया, संरक्षक कृष्णलाल पंवार कैबिनेट मंत्री, कुलदीप दलाल सचिव एशियन सर्किल कबड्डी समिति व चैयरमैन एमेच्योर कबड्डी एशोसियेशन हरियाणा, खेल एकेडमी संचालक नवीन श्योराण, प्राचार्य का आभार प्रकट किया है। गांव व ससुराल में खुशी की लहर अपनी ससुराल गांव बिलावल पहुंची कबड्डी टीम कप्तान रितु श्योराण ने कहा कि उनकी टीम पहले भी विश्व कबड्डी जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिता जीत चुकी है। पहलवान मंजीत सिहं, पूर्व चेयरमैन भल्लेराम बाढड़ा आदि ने कहा कि टीम में काकडोली हट्टी की बेटी और किसान सूरजभान की पुत्री रितु श्योराण ने अपने खेल कौशल से पूरे क्षेत्र का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है और उनके स्वजनों में खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा कि रितु चाइना की अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में निश्चित रूप से भारत का तिरंगा लहराकर वापस लौटेगी। रितु श्योराण की उपलब्धि पर मंजीत पहलवान, ठेकेदार जयबीर काकड़ौली आदि ने बधाई दी।

बाल भवन वाटिका में श्रीश्याम गुणगान महोत्सव 26 को

- भजन सम्राट कन्हैया मित्तल श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

बाल भवन वाटिका में आगामी 26 अप्रैल को श्रीश्याम गुणगान मंडल भिवानी समिति के तत्वावधान में 24वां श्रीश्याम गुणगान महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जो सायं 4:15 बजे से प्रभु इच्छा तक चलेगा। महोत्सव में आमंत्रित भजन सम्राट कन्हैया मित्तल चंडीगढ़ वाले व पटियाला से विशाल शैली अपने भजनों का गुणगान कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। मंडल के सचिव श्याम सेवक प्रवीण बासिया ने बताया कि महोत्सव के मुख्यतिथि सहकारिता विरासत एवं पर्यटन एवं जेल मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा होंगे तथा अध्यक्षता समाजसेवी उद्योगपति अनुज गुरेजा करेंगे। वहीं महोत्सव में मुख्य यजमान समाजसेवी मनोज दीवान रहेंगे। उन्होंने बताया कि श्रीश्याम गुणगान महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए श्याम रसोई, ज्योति दर्शन, आलौकिक श्रृंगार, भव्य दरबार, छप्पन भोग व इत्र वर्षा का भी आयोजन किया जाएगा। समाजसेवी दिवाकर जैन शंकर पूजन, आत्म प्रकाश मेहता श्रीश्याम पूजन, अमित गोयल हनुमान पूजन, निहारिका दिवान नौ ग्रह पूजन, मुकेश कुमार गर्ग अखंड ज्योति पूजन, नरेश आहूजा ध्वजा पूजन, अतुल मित्तल कलश पूजन, मनोज थापर सरस्वती पूजन करेंगे।

ओमप्रकाश महता करेंगे गणेश पूजा

मंडल के सचिव प्रवीण बासिया ने बताया कि महामंडलेश्वर स्वामी कालीदास, जहरगिरि आश्रम के महंत अशोकगिरि, हनुमान जोहड़ी धाम के महंत बालयोगी चरणदास, जोगीवाला मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज के सान्निध्य रहेगा। इस अवसर पर गणेश पूजन समाजसेवी ओमप्रकाश महता करेंगे तथा समाजसेवी मनीष सर्राफ ज्योत प्रज्जवलित करेंगे।

एफडीए की टीम ने किया निरीक्षण

- दवा भंडारण के अलावा अन्य अनियमितताएं मिली

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल

कस्बे में मेडिकल स्टोर खोलने के लिए आवेदन पर भौतिक जांच के लिए पहुंची एफडीए की टीम को मौके पर दवा भंडारण के अलावा अन्य अनियमितताएं मिली।

टीम ने आवेदक द्वारा प्रस्तावित दुकान को सील कर जांच शुरू कर दी है। भिवानी से एफडीए की टीम डीसीओ सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम ने एक मेडिकल स्टोर खोलने के लिए लाइसेंस के आवेदन पर दुकान में भौतिक जांच के लिए पहुंची। पर, टीम को उस समय हैरानी हुई जब प्रस्तावित जगह पर बिना वैध लाइसेंस की अनुमति से पहले ही दवाइयों का भंडारण मिला। टीम ने इसकी सूचना बहल के मेडिकल ऑफिसर डॉ संदीप यादव को दी जिस पर वे मौके पर पहुंचे। टीम ने अधिकारी की मौजूदगी ने दुकान को सील किया और आगामी कार्रवाई के लिए जरूरी जानकारी जुटाई। टीम ने जांच में पाया गया कि मेडिकल स्टोर के लिए लाइसेंस की आधिकारिक अनुमति मिलने से पहले ही वहां दवाइयां रखी हुई थीं। वही, आवेदन तो मेडिकल के नाम से किया गया था। पर, इसी दुकान में पहले किसी और नाम से लाइसेंस प्रदत्त था जो कुछ समय पहले लाइसेंस को सरेंडर कर दिया था, उसी फर्म का नाम अंकित मिला। जिला ड्रग कंट्रोलर ऑफिसर सुरेंद्र कुमार ने बताया कि बिल भी जांचे जाएंगे।

यात्रियों को निशाना बनाने वाले गैंग पर शिकंजा, तीन आरोपी गिरफ्त में

- इंचार्ज सुरेंद्र कुमार का खुलासा,नशे की लत पूरी करने के लिए करते थे चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

रेलवे पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। ट्रेन में यात्रियों को निशाना बनाने वाले एक संगठित गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों ने ट्रेन में सफर कर रही एक महिला को निशाना बनाते हुए उसका सोने का लॉकेट, जरूरी डॉक्यूमेंट और नगदी चोरी कर ली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी और आरपीएफ पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। सुरेंद्र कुमार आरपीएफ इंचार्ज ने बताया कि पहले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से महिला का सोने का लॉकेट बरामद हुआ। इसके बाद अन्य दो आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया, जिनसे महिला के डॉक्यूमेंट बरामद किए गए।

पुलिस जांच में सामने आया है कि यह कोई साधारण चोरी नहीं, बल्कि एक संगठित गिरोह का काम है जो ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को निशाना बनाता है।

ट्रेनों में यात्रियों को करता था टारगेट

सुरेंद्र कुमार, आरपीएफ इंचार्ज ने बताया कि यह एक संगठित गिरोह है, जो ट्रेनों में यात्रियों को टारगेट करता है और मौके का फायदा उठाकर चोरी की वारदात को अंजाम देता है पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वे नशे की लत को पूरा करने के लिए इस तरह की वारदातों को अंजाम देते हैं। सुरेंद्र कुमार, आरपीएफ इंचार्ज ने बताया कि आरोपियों ने बताया कि नशे की लत के कारण वे चोरी करते हैं और इसी से अपनी जरूरतें पूरी करते हैं। फिलहाल पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

हुजूर कंवर साहेब महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

सत्संग सत्य का संग और सत्य भेदभाव रहित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

जो इंसान सेवा में मन लगाता है वो अपने हृदय के प्रेम को ही दिखाता है क्यूँकि प्रेम भक्ति का आधार है। सेवा आपके अन्तर में ख़ुशी का तार छेड़ती है ख़ुशी कहो या सुख लेकिन अंतर के सुख के बिना भक्ति संभव नहीं है। जिस प्रकार हमारे लिए निरोगी काया आवश्यक है वैसे ही मानसिक स्वास्थ्य के लिए आंतरिक सुख या खुशी भी आवश्यक है। यह सच्चा सुख भक्ति में निहित रहता है और भक्ति का मार्ग संतों का सत्संग खोलता है। सत्संग मेर तेर को खत्म करता है। सत्संग सत्य का संग है और सत्य भेदभाव रहित होता है। सत्संग प्रभु के नाम की महिमा का गान है। सत्संग आपके अंतर के सूनेपन को समाप्त करके उसमें परमात्मा के नाम की उमंग जगाता है। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने राधास्वामी आश्रम में आयोजित सत्संग में फरमाए। हुजूर कंवर साहेब महाराज ने कहा कि प्रभु नाम के रस का आनंद पाने के लिए बहुत कुछ त्यागना पड़ता है,अपने आप को दीन हीन बनाना पड़ता है। परमात्मा के नाम का रस वो ही ले सकता है जिसने चारो मार्गो को भक्ति के लिए खोल दिया हो। अब सवाल उठता है काल माया के जाल से निकलने के ये चार रास्ते कौन से हैं। ये रास्ते हैं भक्ति ज्ञान बैराग और योग। इनमें से कोई एक रास्ते पर चलता है कोई दो पर। कोई तीन तो कोई चारो पर लेकिन उनका क्या करें जिन्होंने ये चारो मार्ग ही निरुद्ध कर लिए हो। चारो मार्ग को खोलने की चाबी संतो के सत्संग में ही मिलती है। सत्संग आपकी आशा तृष्णा लोभ मोह अहंकार को मिटाता है। उन्होंने कहा की ज्ञान आपको नहीं छोड़ता बल्कि आप ज्ञान को छोड़ देते हो। गुरु आपको कभी नहीं छोड़ता बल्कि आप गुरु को छोड़ते हो। उन्होंने कहा कि कहना तो आसान है लेकिन करना बहुत मुश्किल।

भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन करते संत कंवर साहेब। फोटो : हरिभूमि

दुनियादारी को उतना ही भोगो, जितनी जरूरत

कंवर साहेब ने उच्च कोटि का अध्यात्म परोसते हुए फ़रमाया कि हमारी हालत उस व्यक्ति की भाँति हो गई है जिसके लड़का काँधे पर ही बैठा हुआ है लेकिन वो पूरे गाँव में ढिंढोरा पीटते हुए घूम रहा है कि मेरा लड़का गुम हो गया है। आपकी असल वस्तु आपके अन्तर में ही है बस ये एहसास करना बाकी है। दुनियादारी को उतना ही भोगो जितनी जरूरत है बाकी तो केवल नाम ही सहाई है। नाम भक्ति ना केवल इस जगत को सुधारती है बल्कि ये हमारे अगत को भी संवारती है। गुरु महाराज ने कहा कि भक्ति इतनी आसान नहीं है इसके लिए भक्तों नें बड़े से बड़े कष्ट सहे। उन्होंने स्वामी महाराज की बानी स्मरण करते हुए कहा कि दूध छठी का निकसे भाई तब परमात्मा देवे दिखाई।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

कहानी

आशमा कौल

प्यारी की अरदास

आज प्यारी के पोते की शादी है । घर गहमा-गहमी से भरा हुआ है । दूर के रिश्तेदार आने शुरू हो गए हैं । घर में ढोलकी बज रही है, बन्ना –बन्नी के गीत गाए जा रहे हैं ।

प्यारी की उम्र अस्सी से पार हो चली है और उसे घर के सबसे पीछे वाले कमरे में बिठाया गया है। अब वह ज़माना नहीं रहा, जब बड़े-बुजुर्गों को घर के हर काम में आगे रखा जाता था और उनसे हर मसले पर राय ली जाती थी। प्यारी अपने पलंग पर बैठी है, लेकिन उसके कान तो बाहर की तरफ ही लगे हुए हैं। आंखें और घुटने कमज़ोर होते हुए भी आज उसका मन पोते के ब्याह की खुशी की उमंग में उछल रहा है। बीच-बीच में कोई अगर उसके कक्ष के पास से गुज़रता है तो प्यारी आवाज़ें लगाती हैं ताकि सब जान सकें कि वह भी इस घर की खुशी में शामिल है।

'अरे फूफी और फूफा जी आ गए , उनका सामान अंदर ले जाओ'

'बधाई है भाभी, बहूत-बहूत बधाई , मां ठीक है न....' धीमी धीमी आवाज़ें प्यारी के कमजोर कानों में तैर रही हैं, आवाज़ें साफ नही हैं, फिर भी वह समझ गई है कि उसकी दोनों बेटियां और दामाद अभी-अभी पहुंचे हैं। अब वह इंतज़ार में है कि सभी आकर उसको भी बधाई देंगे। वह बार-बार आने वाले रिश्तेदारों की आवाज़ सुनने की कोशिश कर रही है कि उसे भी तो पता चले कि कौन-कौन पहुंच गया है। वह मन ही मन अपनी श्रवण शक्ति को कोस रही है। उसका हालचाल तो सभी पूछ रहे हैं, लेकिन कोई उससे मिलने नहीं आया अभी तक। प्यारी बहूत बेचैन है। घर की कामवाली पारो प्यारी के लिए दिन के भोजन की थाली लेकर आई है।

'अम्मा जी हाथ धो लीजिए, खाना लाई हूँ'

'अरी पारो, तू भी आज बहूत देर से आई मेरे पास। अभी भूख नहीं है , इधर आ मेरे पास बैठ और मुझे बता कि कौन-कौन आ गया है और सबने खाना खा लिया है कि नहीं।'

'अम्मा जी आप खाना खा लो, आज घर में बहूत काम है, मुझे बात करने की फुर्सत कहां हैं, यहां देर कर दी तो मेम साहब बहूत डांट लगाएगी । आपका क्या, आराम से बैठी हो पलंग पर और काम कोई करना नहीं।'

" सच है पारो, अब मैं बेकार हो गई हूं लेकिन बच्चों को देखने का बहूत मन है, वह काम में लगे हैं तो मुझे धीरे-धीरे बैठक में ले जा, जहां ढोलकी बज रही है।'

'ना बाबा ना, मुझे मेमसाहब से डांट नहीं खानी है , आज वह वैसे भी गुस्से मे लग रही हैं । मै उन सबको कह दूंगी कि आप से यहीं आकर मिल लें' – जल्दी से अपना पल्लू झाड़ कर पारो थाली वापस लेकर कक्ष से बाहर निकल गई।

याद आ रहा है प्यारी को अपने बेटे की शादी वाला दिन, कैसे दौड़-दौड़ कर आवभगत कर रही थी, वह सब मेहमानों की । क्या खूब नाची थी वह बारात में कि देखने वाले भी

> *हर जगह 'प्यारी' नाम के ही चर्चे थे और उसके पांव तो खुशी में जमीन पर पड़ ही नहीं रहे थे। अपनी बेटी, दामाद और उनके घर वालों की खातिरदारी में भी प्यारी ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी, लेकिन आज उम्र के इस ढलान पर उसकी कोई पूछ नहीं है।*

एआई जेनरेटेड इमेज

उसका उत्साह देख कर दंग रह गए थे । सुंदर गुलाबी साड़ी और गहनों में वह सभी पर गज़ब ढा रही थी और कुछ को तो यह अंदेशा था कि वह शायद दूल्हे कि मां नहीं बड़ी बहन है। सुबह तारों की छांव में जब वह बहू को लेकर घर पहुंची थी तो उसकी खुशी का ठिकाना ही नहीं था। उसके बर्ताव से बहू, पति, घरवाले, मेहमान और समधी सभी बहूत प्रभावित और खुश थे।

हर जगह 'प्यारी' नाम के ही चर्चे थे और उसके पांव तो खुशी में जमीन पर पड़ ही नहीं रहे थे। अपनी बेटी, दामाद और उनके घर वालों की खातिरदारी में भी प्यारी ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी। लेकिन आज उम्र के इस ढलान पर उसकी कोई पूछ नहीं है, यह सोच कर उसका दिल भर आया और आंखें भीग गई । वह सोच रही थी कि वह भी एक ज़माना था, जब वह अपनी सास और मां की परामर्श हर बात में लेती थी और यह आज का मुआ समय जब घर के आखिरी कमरे में उसे अकेले छोड़ दिया गया है। अचानक दरवाज़ा खुलने की आवाज़ से वह सचेत हुई –

" कौन है, आ जाओ "।

मां, मैं हूं कुमुद, कैसी हो तुम।

अरे बिटिया, आ गले लग जा मेरे, बहूत देर से इंतज़ार कर रही थी कि कोई तो आकर मुझसे मेरा हाल पूछे।

"मां, हम सब भाभी का हाथ बंटा रहे थे, आपको पता तो है, वह छोटी-छोटी बातों से परेशान हो जाती है, लेकिन तुम यहां अकेली क्यों बैठी हो, चलो मैं तुम्हें बैठक में ले चलूं'।

'ना बेटा, मैं यहीं ठीक हूँ, तुम सबको परेशानी होगी'।

'नहीं मां, कैसी परेशानी, तुमसे तो घर की रौनक है। दीदी जीजाजी और बच्चे सब वहीं हैं, चलो मैं धीरे- धीरे तुम्हें वहां तक ले चलती हूं।'

बेटी का हाथ थाम कर प्यारी पलंग से उठी और नपे-तुले कदमों से बैठक तक आ गई और सबको दुआएं देने लगी। बैठते हुए प्यारी का हाथ मेज पर पड़े शीशे के गिलास से लग गया और गिलास गिर कर टूट गया। इससे पहले कि कुमुद टूटा गिलास उठाती, भाभी हो हल्ला करती बैठक में आ गई – "लो हो गया काम, अरे अम्मा जी को कौन यहां लेकर आया "।

'अम्मा जी, मैंने आपसे कहा था कि आज वहीं अपने कक्ष में बैठी रहना। काम में मदद नहीं करा सकती हैं, तो कम से कम काम को बढ़ाएं तो नहीं'– तल्ख स्वर में बहू लगभग चिल्लाई तो अम्मा जी घबराहट में कांपने लगी कि शायद उससे कुछ बहूत बड़ा नुकसान हो गया है, तभी पारो आई और शीशा समेट कर ले गई। बेटियां जो सब देख-सुन रही थी, उन्हे भाभी की बात अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे उसके स्वभाव से परिचित थी इसलिए कुछ कह नहीं सकी और अम्मा जी भी वहीं चुपचाप कुर्सी में धंस सी गई ताकि माहौल खराब न हो ।

> सब छोटे-बड़े मानो तैयार होने की प्रतिस्पर्धा में जुट गए, कोई घर में तो कोई पार्लर में । अम्मा जी फिर अकेली रह गई। वह सोच रही थी कि आज इस बड़ी खुशी में बेटा-बहू उसको सम्मान से साथ ले जाएंगे।

'आप सब लोग अब जाने की तैयारी करो और बच्चों को भी जल्दी तैयार करो, दो घंटे में घुड़चढ़ी का मुहर्त है, बारात समय से निकले तो अच्छा है' अचानक बेटे की आवाज सुन अम्मा जी निहाल हो गई और वह पोते के साथ गाड़ी में बैठ कर जाने के ख्वाब बुनने लगी।

सब छोटे-बड़े मानो तैयार होने की प्रतिस्पर्धा में जुट गए, कोई घर में तो कोई पार्लर में । अम्मा जी फिर अकेली रह गई। वह सोच रही थी कि आज इस बड़ी खुशी में बेटा-बहू उसको नई साड़ी देंगे और सम्मान से साथ ले जाएंगे। वह अभी इन्हीं ख्यालों में थी कि बहू की आवाज उसके कानों में पड़ी –

"अरी पारो, यह लो तुम्हारा नया सूट, चलो जल्दी पहनो और तैयार हो जाओ "

'लेकिन मैडम जी , फिर घर में कौन रहेगा'।

'अम्मा जी है न घर में, तुम उनके खाने की थाली बनाकर उनके पलंग पर रख दो और उन्हें भी उनके कमरे में पहुंचा दो ताकि जब बहू आए तो आगे की बैठक ठीक-ठाक मिले। बाहर के दरवाजे पर ताला रख देंगे। अब जल्दी करो समय निकला जा रहा है'।

यह सब बातें बहू ने ज़ोर-ज़ोर से बोली ताकि सासु मां सुन ले और दोबारा उन्हें न कहनी पड़े। ऐसा ही हुआ, प्यारी ने सब सुना तो उसका दिल टूट गया, लेकिन उसने उसकी किरचें फैलने नहीं दी, अपने ही अंदर समेट ली ताकि वे उसके बच्चों को न चुभ जाए। अधिकतर माएं ऐसी ही होती हैं। उसकी आंख में दो आंसू आए, लेकिन बदशकुनी के डर से उसने उन्हें आंखों की कोरों में ही ज़ज्ब कर लिया। बड़ी बेटी जो सब देख चुकी थी, उससे रहा नहीं गया, बोली – मां मैं तुम्हारे लिए नई साड़ी लाई हूं, वह पहन कर तुम मेरे साथ चलोगी'।

'नहीं बेटा, देर हो रही है, तुम जल्दी तैयार होकर निकलो वरना तुम्हारी भाभी नाराज हो जाएगी' – प्यारी खुद पर संयम रख कर बोली।

उसने बेटी की बात नहीं मानी, उसे तो बेटे से उम्मीद थी कि वह आज जिद करके उसे अपने साथ शान से ले जाएगा। घुड़चढ़ी का समय हो गया था और प्यारी के कानों में बैंड -बाजे की हल्की-हल्की आवाज़ आ रही थी और वह अपने दोनों हाथ जोड़े ईश्वर से बच्चों की सलामती की दुआ मांग रही थी। धीरे-धीरे आवाज़ें आनी बंद हो गई और प्यारी रात भर, नई बहू के आने तक अपने इष्ट से अरदास करती रही ताकि उसके टूटे दुखी दिल से बेटे के लिए कोई बददुआ न निकल जाए।

पुस्तक समीक्षा

आत्मचिंतन की नई दिशा देती है 'आत्मप्रबंधन

समीक्षक

ममता कुशवाहा

'आत्मप्रबंधन : सफलता की सीढ़ी' केवल एक साधारण निबंध-संग्रह नहीं, बल्कि लेखक नृपेन्द्र अभिषेक नृप के अंतर्मन में उठते विचारों, संवेदनाओं और जीवन-दृष्टि का सजीव दस्तावेज़ है। यह कृति पाठक को आत्मचिंतन, आत्मसंयम और आत्मबोध की उस यात्रा पर ले जाती है, जहां वह स्वयं से संवाद करना सीखता है। इस संग्रह में शामिल निबंध 'चुप्पी भी बोलती है', 'भीड़ में इंसान गुम क्यों हो रहा है?', 'गलतियों के साए में उगता सुधार का प्रकाश', 'जहाँ झूठ आसान है, वहाँ सच साहस मांगता है', 'यादें: जीवन का सहारा या बोझ?', 'अकेलापन: रिश्तों की भीड़ में एकांत का सच' आदि, जीवन के उन पहलुओं को उजागर करते हैं, जिनसे हम प्रतिदिन रूबरू होते हैं, परंतु अक्सर उन्हें समझने का प्रयास नहीं करते। 'चुप्पी भी बोलती है' निबंध में लेखक मौन की शक्ति को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हैं। उनके अनुसार, मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं, बल्कि अंतर्मन की वह स्थिति है, जो नकारात्मकता को सकारात्मकता में रूपांतरित करने की क्षमता रखती है। 'बदलाव को स्वीकारना भी एक नैतिक साहस है' में लेखक जीवन के अनिवार्य परिवर्तनशील स्वरूप को रेखांकित करते हैं। वे बताते हैं कि परिवर्तन से भयभीत होने के बजाय उसे स्वीकार करना ही जीवन की प्रगति का मूल मंत्र है।

'कठिन समय में चरित्र की असली परीक्षा होती है' निबंध में धैर्य को जीवन की सबसे बड़ी शक्ति बताया गया है। लेखक के अनुसार, विपरीत परिस्थितियाँ ही व्यक्ति के चरित्र को गढ़ती हैं और धैर्य उसे टूटने से बचाता है। वे स्पष्ट करते हैं कि धन, पद और प्रतिष्ठा भले ही बाहरी सुख दें, परंतु सच्चा संतोष केवल संस्कार, ईमानदारी और सहनशीलता से ही प्राप्त होता है। समकालीन समाज में व्याप्त झूठ, पाखंड और दिखावे के बीच लेखक 'चमक के शोर में खोती सादगी की मौन शक्ति' के माध्यम से सादगी के महत्व को पुनर्स्थापित करते हैं। 'जीवन का सफर: योजना और अनिश्चितता के बीच' निबंध में लेखक जीवन की विविधता और व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझाने का प्रयास करते हैं। वे पाठकों को यह संदेश देते हैं कि तुलना के बजाय आत्मस्वीकृति और अपनी परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़ना ही वास्तविक सफलता का मार्ग है। वास्तव में यह कृति पाठक को आत्मविश्लेषण के लिए प्रेरित करती है। यह सिखाती है कि आत्मसंयम, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को नई दिशा दे सकता है। 'आत्मप्रबंधन : सफलता की सीढ़ी' जीवन की उस सच्चाई को सामने लाती है कि यह केवल संघर्षों का नहीं, बल्कि आशाओं, सपनों और संतुलन का सुंदर संगम है।

कवि कॉर्नर

कविता | **कियांश जुनेजा**

मेरा संकल्प

जुलाई की तीस तारीख थी,
वर्ष दो हज़ार सोलह का,
नन्हीं आंखों में सपना था,
उज्ज्वल भविष्य के लेखा का।
जहां लोग घबराते थे,
उन चमकते औज़ारों से,
मैंने दोस्ती कर ली थी,
उन सौ अनजाने संसारों से।

डर को मैंने हराया था,
जिज्ञासा को अपनाया था,
ज्ञान की उस रोशनी ने,
जीवन पथ को सजाया था।'
इंडिया बुक' में नाम लिखा,
'एशिया बुक' ने सम्मान दिया,
मेहनत के हर एक पल ने,
मुझे नई पहचान दिया।

पर केवल रिकॉर्ड बनाना,
मेरा मकसद नहीं बना,
हर भारतवासी स्वस्थ रहे
यही दिल का है सपना।
मुस्कान हर चेहरे पर हो,
यही मेरी चाहत है,
स्वस्थ जीवन की ज्योति ही,
मेरे मन की इबादत है।

स्कूल-स्कूल मैं जाता हूँ,
जागरूकता का दीप लिए,
एनजीओ संग कदम बढ़ाकर,
सेवा का संकल्प लिए।
हर बच्चे को समझाता हूँ,
सेहत का सच्चा खजाना,
दो मिनट की सही ब्रशिंग से,
रोगों को दूर भगाना।

देश सेवा ही धर्म मेरा,
यही मेरा अभिमान है,
भारत माँ की सेवा में,
समर्पित मेरा प्राण है।
मुस्कान बने पहचान हमारी,
सेहत हमारी ताकत हो,
हर कर्म में बस देश बसे,
ऐसी मेरी चाहत हो।

रिकॉर्ड तो बस पहला कदम,
अभी बहूत आगे जाना है,
स्वच्छ और स्वस्थ भारत का,
सपना सच कर दिखाना है।
छोटा हूँ पर हौसला बड़ा,
यही मेरा अरमान है,
हर बच्चे की सच्ची हँसी ही,
मेरी असली पहचान है।

टांग अड़ाने का अपना सुख-चैन

व्यंग्य | **आसिम अनमोल**

> ***शरीफ़ से शरीफ़ रिश्ते को भांजी मारने वाले अपनी टांग अड़ाई से कहीं जुआरी बना देते हैं कहीं शराबी। अच्छे रिश्ते मिलने के अब इंसान ख्वाब ही देख रहा है। टांग अड़ाना इसका मूल कारण है। टांग अढ़ाई और शराफ़त गीरी का छत्तीस का आंकड़ा हमेशा से रहा है। जितना अच्छा काम करोगे, नेकी के पथ पर चलोगे, उतनी दुगनी ताक़त से टांग अड़ाई जाएगी। आप कोई खराब काम करके देख लीजिए। प्रोत्साहित करने वाले हज़ार मिल जाएंगे । टांग अड़ाने वाला कोई नहीं मिलेगा।***

टांग अड़ाने में हमारे भारत को कोई नहीं पछाड़ सकता। इसमें हमारा भारत पूरी तरह पारंगत है। टांग कहीं पर भी अड़ा दो। यह यहीं संभव है। हमारा देश तो टांग अड़ाने से ही चल रहा है। सत्ता पक्ष के हाथों में देश की भागदौड़ आ जाए तो विपक्ष का टांग अड़ाते रहना दिनचर्या का काम है। अड़ाएगा नहीं तो उसकी उम्मीदें परवान कैसे चढ़ेंगी। इसलिए टांग अड़ाना नितांत आवश्यक। चाहे घर में बनते हुए काम में टांग अड़ा दो। ऑफिस की फाइलों में टांग अड़ा दो।

रास्ते में बातचीत करते जा रहे राहगीर में अड़ा दो। किचन में बन रहे व्यंजन में अड़ा दो। अच्छा नहीं बना। गरीब के मुश्किल से बन रहे आधार कार्ड में अड़ा दो। पति-पत्नी के फिल्म देखने के प्रोग्राम में अड़ा दो। अड़ाने में कोई बौद्धिक ताकत नहीं लगती। जैसे छप्पर उठाने के लिए नीचे से डंडे अड़ाए जाते थे। वैसे ही आज जगह-जगह टांग अड़ाई जा रही है। टांग अड़ाना भी साहब एक कला है, फिर कला की बेकद्री कैसे की जा सकती है ? टांग सचमुच हर जगह अड़ ही जाती है। माल में खरीदारी करते समय भीड़ में क़दमों की टांग अड़ाई भी हो जाती है। टांग तो टांग है, वो अपनी हरकत से बाज़ कहां आती है। सफल हो रहे रास्तों में भी ऐसे टांग अड़ाई जाती है कि सफलता भी भी टांग अड़ाई पर पीएचडी करने की ठान लेती है। टांग अड़ाना एक अदब का वायज़ बनता जा रहा है। टांग अगर आपने कहीं नहीं अड़ाई तो आपकी टांगों में टांग अड़ा दी जाएगी। बग़ैर टांग अड़ाए इस वतन की मिट्टी में कोई काम हो ही नहीं सकता। ऐसे टांग की अपनी गरिमा बनी रहती है। गरिमा का ध्यान रखते हुए टांग अपना टारगेट हज़ार जगह अपनी टांग अड़ाकर ही पूरा करता है। टांग अड़ाना एक सामाजिक काम हो गया है।

समाज का सहयोग करने के लिए समाज को टांग अड़ाई का जगह-जगह प्रशिक्षण देना भी ज़रूरी हो गया है। जिसे टांग अड़ाना नहीं आता उसे चलते-फिरते लोगों पर टांग अड़ाने का प्रशिक्षण देना ज़रूरी है। टांग अड़ाने में अगर किन्तु परन्तु हो भी जाता है तो भी टांग अड़ाने का हौसला बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए। टांग का बड़ा महत्व है। टूटी हुई टांग भी अपनी मशहूरियत का ऐसे खुलासा करती है कि अगर रास्ते में मैंने टांग नहीं अड़ाई होती तो टांग पर चढ़े प्लास्टर की महत्ता कैसे बढ़ती। इसलिए टांग अड़ाना बहूत ज़रूरी है। बग़ैर टांग अड़ाए टांग के होने का महत्व ख़त्म हो जाता है। टांग अड़ाना इंसान का मूलभूत हथियार बन चुका है। टांग अड़ाने में इंसान परिपक्व न होकर भी परिपक्वता को समाज के सामने आसानी से ज़ाहिर कर सकता है। टांग फिल्म जगत में भी खूब अड़ाई जाती है। हीरो-हेरोइन का आपसी प्यार तक खलनायक नागवार गुज़रता है। तभी ढिशुम ढिशुम टांग अड़ाने का प्रतीक बन जाता है। टांग अड़ाना सारे नियम कायदे सामाजिक सरोकारों को ऐसे धता बताते हैं कि लड़के लड़कियों के रिश्तों तक में टांग अड़ाने से बाज़ नहीं आता।

शरीफ़ से शरीफ़ रिश्ते को भांजी मारने वाले अपनी टांग अड़ाई से कहीं जुआरी बना देते हैं कहीं शराबी। अच्छे रिश्ते मिलने के अब इंसान ख्वाब ही देख रहा है। टांग अड़ाना इसका मूल कारण है। टांग अढ़ाई और शराफ़त गीरी का छत्तीस का आंकड़ा हमेशा से रहा है। जितना अच्छा काम करोगे, नेकी के पथ पर चलोगे, उतनी दुगनी ताक़त से टांग अड़ाई जाएगी। आप कोई खराब काम करके देख लीजिए। प्रोत्साहित करने वाले हज़ार मिल जाएंगे । टांग अड़ाने वाला कोई नहीं मिलेगा। पुलिस तो बिलकुल ही नहीं दिखाई देगी। असल में यह मान लेना चाहिए कि टांग अड़ाना एक फैशन है। अड़ाए बग़ैर चैन भी नहीं। आजकल इंसान इतनी समस्याओं में उलझने के बावजूद हर मसले में टांग अड़ा अड़ाकर सुख-चैन हासिल कर रहा है तो इसमें बुराई क्या है। आपके उन्नति के रास्ते पर टांग अड़ाई जा रही है तो आप परेशान न हों। क्योंकि इस टांग अड़ाई में ही आपकी उन्नति उन्नति को उन्नति तक पहुंचा सकती है। टांग अड़ा अड़ाकर मनुष्य ने जहालत को भी शिष्टाचार बना दिया। टांग अड़ाने को सामाजिक पहचान दिला दी। टांग अड़ाने का महत्व हमारे समाज पर इतना मेहरबान है कि अब 2027 में ना जाने कितनी टांगें सियासत की भगदड़ में अड़ाई जाएंगी। अब टांग अड़ाने में देश का हश्र कुछ भी हो लेकिन टांग अड़ाने वाले अपने हश्र का ख्याल ज़रूर रखेंगे। देखते हैं कि टांग अड़ाते-अड़ाते हमारे देश का कितना ख्याल रखती हैं टांगें।

मोटिवेशनल

स्क्रीन टाइम कम करने के उपाय

दिव्या तंवर

मोटिवेशनल स्पीकर

आज की युवा पीढ़ी यानी सोशल मीडिया के बिना एक पल भी कल्पना नहीं कर सकती। इंस्टाग्राम, टिकटॉक, फेसबुक, एक्स (पूर्व ट्विटर) और यूट्यूब शॉर्ट्स हमारे रोज़मर्रा के जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। सुबह उठते ही नोटिफिकेशन चेक करना, रील्स देखना और स्टोरी पोस्ट करना – ये सब अब आदत बन गई है। क्या आपने कभी सोचा है कि ये प्लेटफॉर्म हमारे दिमाग पर क्या असर डाल रहे हैं? सकारात्मक पहलुओं के साथ-साथ नकारात्मक प्रभाव भी बहूत गहरे हैं। इस लेख में हम इन्हीं प्रभावों पर चर्चा करेंगे और बताएंगे कि स्क्रीन टाइम कैसे कम किया जा सकता है। सोशल मीडिया सबसे पहले तो ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कमजोर कर रहा है। 15-30 सेकंड के रील्स और शॉर्ट वीडियो हमें लगातार नई उत्तेजना देते रहते हैं। नतीजा? पढ़ाई, काम या किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान लगाना मुश्किल हो गया है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, जो युवा रोज़ 3 घंटे से ज्यादा सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनकी एकाग्रता का स्तर काफी गिर जाता है। दूसरा बड़ा प्रभाव है तुलना और असुरक्षा की भावना। हम खुद को कमतर समझने लगते हैं, जिससे आत्म-सम्मान घटता है, चिंता बढ़ती है और कई बार डिप्रेशन भी। तीसरा, नींद का बिगड़ना। रात को बेड पर लेटकर स्क्रॉलिंग करने से नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन को प्रभावित करती है। चौथा प्रभाव सामाजिक अलगाव है।

स्क्रीन टाइम कम करने के 8 व्यावहारिक उपाय

1. **समय की सीमा तय करें :** फोन के सेटिंग्स में स्क्रीन टाइम फीचर चालू करें। रोज़ 1-2 घंटे से ज्यादा न इस्तेमाल करने का लक्ष्य रखें। ऐप जैसे फ्रीडम, आफटाइम इस्तेमाल करें जो फोन को लॉक कर देते हैं।
2. **नोटिफिकेशन्स बंद रखें :** हर 5 मिनट में आने वाले नोटिफिकेशन हमें बार-बार खींचते हैं। सिर्फ जरूरी ऐप्स (जैसे व्हाट्सएप) का नोटिफिकेशन ऑन रखें, बाकी सब साइलेंट मोड पर।
3. **डिजिटल डिटॉक्स का अभ्यास :** हफ्ते में एक दिन "नो-स्क्रीन डे" रखें। सुबह से शाम तक सिर्फ कॉल और मैसेज चेक करें, रील्स या फीड न देखें। शुरू में मुश्किल लगेगा, लेकिन बाद में मन शांत महसूस होगा।
4. **फोन को बेडरूम से बाहर रखें :** सोने से एक घंटा पहले फोन बंद कर दें। उसकी जगह किताब पढ़ें या जर्नल लिखें। नींद बेहतर आएगी।
5. **ऑफलाइन शौक विकसित करें :** जिम जाना, क्रिकेट खेलना, पेंटिंग करना, किताब पढ़ना या गार्डनिंग, ऐसे काम चुनें जो आपको खुशी दें। जब मन भरेगा, सोशल मीडिया की याद ही नहीं आएगी।
6. **ग्रेस्केल मोड ऑन करें :** फोन के कलर को ब्लैक-एंड-व्हाइट कर दें। रंगीन रील्स कम आकर्षक लगेंगी और इस्तेमाल अपने आप कम हो जाएगा।

लघु कथा

पहली जीत

वीना सिंह

कहानीकार

राधिका शहर के बड़े कॉलेज में पढ़ने आई थी। अपने छोटे से कस्बे से पहली बार बाहर निकली थीए सो जिम्मेदारियों का बोझ भी साथ था और डर भी। पढ़ाई में तेज थीए साथ ही मन से पूरी तरह ईमानदार भी द्य लेकिन हॉस्टल की लड़कियों को उसका आत्मविश्वास चुभता था।

क्लास में प्रोजेक्ट प्रेज़ेंटेशन होने वाला था। सहेलियों ने तय कर लिया कि राधिका को बोलने का मौका न दिया जाए। श्ज़्यादा अकड़ दिखाती हैए देखो आज चुप कैसे रहती हैएश वे हंस पड़ीं। राधिका को उनके गलत इरादों की भनक लग गई थीए फिर भी उसने बड़ी मेहनत से स्लाइड्स तैयार की द्य मन बैठ रहा थाकृक्या वाकई में वे सब उसे बोलने नहीं देंगीं। प्रेज़ेंटेशन शुरू हुआ। टीम के बाकी सदस्य बारी.बारी से बोले और जानबूझकर राधिका का नाम टालते रहे। जब अध्यापक ने पूछाए श्और तुम्हारा निष्कर्ष कौन रखेगाघ्श तभी चुपचाप बैठी राधिका खड़ी हो गई।उसकी आवाज़ कांप रही थीए पर आंखों में नमी थीए लेकिन मन में दृढ़ता थी। उसने बिना स्लाइड देखेए पूरे प्रोजेक्ट का सार इतनी स्पष्टता से रखा कि सब चकित रह गए। अध्यापक ने वहीं घोषणा कर दीकृश्प्रोजेक्ट का सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतिकरण राधिका का था। राधिका सीट पर लौटी तो तालियाँ गूंज उठीं। सहेलियों की आँखें झुकी रह गईं। उसने गहरी सांस ली और फिर कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा।

कुछ हटकर

बीटेक सीएसई-एआई-एमएल के बाद करियर की भरें उड़ान

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बी.टेक (कंप्यूटर साइंस – ए.आई. एंड एम.एल.) एक चार वर्षीय आधुनिक स्नातक कार्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की गहन समझ प्रदान करता है। विद्यार्थी पाइथन प्रोग्रामिंग, डाटा स्ट्रक्चर, अल्गोरिथ्म्स, डीप लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क्स , डाटा साइंस, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, और कंप्यूटर विज़न जैसे विषयों का व्यावहारिक अध्ययन करते हैं। इसका उद्देश्य केवल कोडिंग सिखाना नहीं है, बल्कि उन्हें इंटेलीजेंट सिस्टम्स और ऑटोमेशन के विकास में सक्षम बनाना है। ए.आई. -ड्रिवेन ऍप्लिकेशन्स, डाटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

उच्च शिक्षा के मौके

यह एक ऐसा कोर्स है जो विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी क्रांति का हिस्सा बनाता है। यह क्षेत्र केवल इंजीनियरिंग नहीं, बल्कि इनोवेशन और ऑटोमेशन का संगम है। सही कौशल, मार्गदर्शन और निरंतर अपडेट के साथ विद्यार्थी इस क्षेत्र में देश और विदेश दोनों में उत्कृष्ट करियर बना सकते हैं।

प्रमुख विशेषज्ञताएं

ए.आई. और एम.एल. के अंतर्गत अनेक शाखाएँ हैं जिनसे विद्यार्थी भविष्य की तकनीक में अपनी विशेषज्ञता स्थापित कर सकते हैं

- एआई इंजीनियरिंग
- मशीन लर्निंग व डाटा एनालिटिक्स
- डीप लर्निंग एंड न्यूरल नेटवर्क्स
- नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग
- रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन
- कंप्यूटर विज़न एंड इमेज रिकग्निशन
- प्रेडिक्टिव मॉडलिंग एंड डाटा माइनिंग

आवश्यक कौशल

छात्रों में निम्नलिखित क्षमताएं आवश्यक हैं ,लॉजिकल थिंकिंग और एनालिटिकल स्किल्स, डाटा मॉडलिंग और स्टेटिस्टिक्स की समझ, पाइथन या जावा जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज में दक्षता, मशीन लर्निंग लाइब्रेरीज का ज्ञान, प्रॉब्लम सॉल्विंग और रिसर्च ओरिएंटेशन के माध्यम से भूमिका निभा सकते हैं।

निजी क्षेत्र में विकल्प

हर उद्योग चाहे वह हेल्थकेयर हो, फाइनेंस, एजुकेशन या ई-कॉमर्स — अब ए.आई. सोलूशन्स की ओर अग्रसर है। जैसे आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, ,डाटा साइंस और एनालिटिक्स, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स, क्लाउडऔर ए.आई. इंटीग्रेशन

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में ए.आई. & एम.एल. स्नातकों की प्रारंभिक आय लगभग ₹6 से ₹10 लाख वार्षिक होती है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह ₹20 से ₹30 लाख वार्षिक तक पहुँच सकती है।सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी क्षेत्र में भी ए.आई. और डाटा एनालिटिक्स की भूमिका अब अत्यधिक बढ़ गई है। कई विभाग और अनुसंधान संस्थान ऑटोमेशन , साइबर सिक्योरिटी, डिफेन्स रिसर्च और इ -गवर्नेंस परियोजनाओं में ए.आई. विशेषज्ञों को नियुक्त कर रहे हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक के बीच होता है, जबकि अनुभव और शोध अनुभव के साथ यह ₹15 लाख या उससे अधिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

ब्राह्मण सेना और व्यापार मंडल ने मनायी भगवान परशुराम की जयंती

भगवान परशुराम को याद कर किया नमन

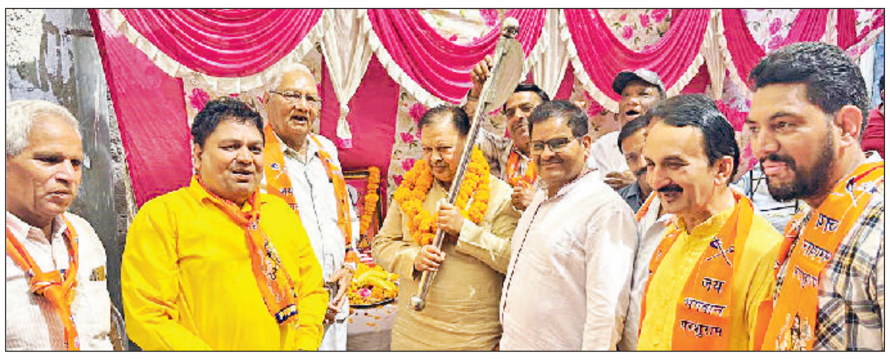

भिवानी। भगवान परशुराम जयंती कार्यक्रम में विधायक घनश्यामदास सर्राफ को फरसा भेंट करती आयोजक समिति।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

ब्राह्मण सेना एवं व्यापार मंडल ने संयुक्त रूप से बाग कोठी में भगवान परशुराम जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि विधायक घनश्यामदास सर्राफ व नपा चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानीसिंह प्रताप ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि देवराज महता व प्रिया असीजा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम संयोजक ब्राह्मण सेना के प्रदेश अध्यक्ष व व्यापार मंडल के प्रधान जेपी कौशिक ने बताया कि सभी अतिथिगण ने भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डाला तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संदेश दिया। इस अवसर पर राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री अवार्डी लक्ष्मण गौड़, अरूण गौड़, किशन कौशिक, अशोक भारद्वाज, पूर्व पार्षद टोनी, गिरधर पंडित, राजेश भारद्वाज, शिवम कौशिक, नितेश कुमार, मोहित, सत्यनारायण शर्मा, प्रदीप शर्मा, नीजू शर्मा, शशी भूषण, गोवर्धन आचार्य, रवि खन्ना, नरेन्द्र शर्मा, प्रदीप गैस, प्रवीन व शालू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

भगवान या महापुरुषों को जातियों के बंधन में बांधना गलतः भारद्वाज

भिवानी। भाजपा के ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनील भारद्वाज ने कहा कि भगवान किसी एक जाति विशेष के नहीं होते, वे सर्वसमाज के हित के कार्य करते है, ऐसे में हमें भी भगवान या महापुरूषों को जाति के बंधन में नहीं बांधना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम सत्य एवं धर्म की रक्षा के लिए कभी पीछे नहीं हटे। आज उनके दिखाए मार्ग पर चलने की जरूरत है। भारद्वाज ने रविवार को बस स्टैंड और गांव धारेडू स्थित बनिया की धर्मशाला में भगवान परशुराम मंदिर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में कही। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने भगवान परशुराम की प्रतिमा पर मालार्पण कर नमन किया। भारद्वाज ने महापुरूषों के नाम से बनाए संगठनों के प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे महापुरूषों की जयंती पर डीजे बजाकर या अन्य कोई दिखावा नही करके सामाजिक संदेश के साथ मनाए, ताकि महापुरूषों के जीवन आदर्श एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जा सकें। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम हिंदु संस्कृति को बढ़ावा देने का काम करते है, जिससे समाज एक सूत्र में बंधता है, इसीलिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को ऐसे आयोजनों में भाग लेना चाहिए।

सत्य मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता भगवान परशुराम का जीवन

बाढ़ड़ा। ब्राह्मण भवन में भगवान परशुराम जयंती धूमधाम से मनाई तथा युवाओं को नशामुक्त व संस्कारयुक्त वातावरण तैयार कर आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने की अपील की। कस्बे के ब्राह्मण भवन में ब्राह्मण सभा सिंदौलिया खाप चौरासी के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईजी बजरंगलाल शर्मा ने भगवान परशुराम जयंती पर दीप प्रज्जवल्लित कर उन्हें नमन करते हुए कहा कि क्षेत्र में भगवान भगवान परशुराम जयंती रविवार को श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाई। इस अवसर पर विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे दिन पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम की विधिवत पूजा कर परिवार और समाज की खुशहाली की कामना की। मंदिरों में गूंजते जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान परशुराम विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं, जिन्होंने धर्म की स्थापना और अधर्म के विनाश के लिए अवतार लिया। खाप सरंक्षक व छात्र नेता विजय मोटू इत्यादि वक्ताओं ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन हमें अन्याय के खिलाफ खड़े होने और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। श्रद्धालुओं ने समाज में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में खाप सरंक्षक व छात्र नेता विजय मोटू, खाप महासचिव सुनील शर्मा चेयरमैन, खाप 25 अध्यक्ष डा. तरसेम शर्मा बेरला, मास्टर रामनाथ शास्त्री, आचार्य रामचंद्र शास्त्री, पूर्व प्राचार्य रोशनलाल शर्मा, प्रताप शर्मा, पंकज शर्मा काकड़ौली, मीरसिंह बाढ़ड़ा, पवन शर्मा, सत्यव्रत डालावास, पारस गोठड़ा व कुलदीप चांदवास आदि मौजूद रहे।

बाढ़ड़ा। भगवान परशुराम को नमनम करते खाप अध्यक्ष आईजी बजरंगलाल शर्मा।

भक्ति एवं श्रद्धा का संगम, अढ़ाई कोसी नगर परिक्रमा ने बिखेरी आध्यात्मिकता की आभा

भिवानी। भगवान परशुराम को नमन करते महंत चरणदास महाराज व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी नगरी इन दिनों भक्ति के अनूठे रंग में डूबी हुई है। हनुमान जोहड़ी मंदिर परिवार द्वारा पिछले एक वर्ष से अधिक समय से निरंतर निकाली जा रही अढ़ाई कोसी नगर परिक्रमा में रविवार को भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर भारी उत्साह एवं श्रद्धा का सैलाब देखने को मिला। बालयोगी महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में ये यात्रा अपनी आध्यात्मिक चमक बिखेरते हुए आगे बढ़ रही है। परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम चौक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आध्यात्मिकता के साथ-साथ समाजसेवा एवं कला का सम्मान किया। महंत चरणदास ने भागीरथ शर्मा को 51 सफल शहीदी कवि सम्मेलनों के आयोजन और घनश्याम शर्मा को नगर परिक्रमा के सफर में उनके सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। महंत चरणदास ने परिक्रमा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अढ़ाई कोसी नगर परिक्रमा केवल यात्रा नहीं, बल्कि छोटी काशी भिवानी के गौरवमयी इतिहास से जुडऩे का माध्यम है। इसके जरिए श्रद्धालु शहर के विभिन्न प्राचीन मंदिरों और सभी 12 दरवाजों के ऐतिहासिक महत्व व उनकी महिमा की जानकारी हासिल कर रहे हैं। महाराज ने उत्साह बढ़ाते हुए घोषणा की कि निरंतर जारी नगर परिक्रमा के 400 दिन पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 16 मई को शहर में विशाल नगर परिक्रमा निकाली जाएगी। इस अवसर पर जयपाल परमार, शिव कुमार चित्रकार, मैनेजर धर्मबीर दहिया, धीरज सैनी, दिनेश दाधीच, सुनील गर्ग, हरीश शांडिल्य, कृष्ण फौजी, मोनू परमार, प्रवीण वत्स, बनी सिंह, महेंद्र कुंगडय़ा, संजय वर्मा, चंद्रमोहन, नीलम शर्मा, बिंदु वर्मा, लिलो सैनी, धन्वंति, सोनिया, मीना,अनीता,मीनू, सुनीता सहित अनेक श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

गोसेवा के लिए दादी जाबदे गोशाला को मिली 7.47 लाख रुपये की मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव खरककलां स्थित श्रीदादी जाबदे गौशाला में सेवा एवं समर्पण की एक बेमिसाल तस्वीर देखने को मिली। यहां गौ संरक्षण और संवर्धन के संकल्प को दोहराते हुए हरियाणा गो-सेवा आयोग के माध्यम से सात लाख 47 हजार 40 रुपये की सहायता राशि भेंट की। इस राशि का चैक बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने भेंट किया। कार्यक्रम ने ना केवल गौशाला को आर्थिक मजबूती प्रदान की, बल्कि समाज में गौ सेवा के महत्व को भी नए आयाम दिए। इस पूरे आयोजन की सफलता में श्रीदादी सती जावेद अखाड़ा के संचालक विनोद पहलवान की केंद्रीय भूमिका रही। गौमाता का पूजन कर आशीर्वाद लेने के बाद विनोद पहलवान ने बवानीखेड़ा के विधायक कपूर वाल्मीकि का विशेष रूप से आभार जताया। इस मौके पर विनोद पहलवान ने कहा कि गौमाता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। विधायक के सहयोग का ही परिणाम है कि आज हमारी गोशालाओं को ऐसी सहायता मिल रही है।

ब्रह्मचारी और पितृभक्त थे भगवान परशुराम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

तोशाम में ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान ब्राह्मण समाज के विभिन्न लोगों ने तोशाम के भगवान परशुराम चौक पर एकत्रित होकर भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना की। इस मौके पर भगवान परशुराम चौक भगवान परशुराम के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस दौरान भाजपा नेता रविंद्र बापोड़ा ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।

भाजपा नेता रविंद्र बापोड़ा ने कहा कि भगवान परशुराम किसी एक जाति के न होकर बल्कि सर्व समाज के लिए समान थे। वह भगवान विष्णु के छठे अवतार है जो अन्याय और अधर्म के नाश के लिए ऋषि जमदग्नि और माता रेणुका के घर वैशाख पक्ष की शुक्ल तृतीया अक्षय तृतीया को अवतरित हुए तथा भगवान परशुराम ने असुरों का संहार किया।

रविंद्र बापोड़ा का कहना था कि भगवान परशुराम आठ चिरंजीवियों में से एक होने के कारण वह अमर माने जाते हैं भगवान शिव से प्राप्त परशु अर्थात फरसा धारण करने वाले परशुराम शस्त्र और शास्त्र दोनों के ज्ञाता, आजीवन ब्रह्मचारी और पितृभक्त थे।

हर वर्ष अक्षय तृतीया के दिन भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया जाता है इसी कड़ी में अबकी बार भी तोशाम में ब्राह्मण समाज ने भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। इस दौरान भगवान परशुराम का भोग लगाकर अनेक लोगों को प्रसाद भी वितरित किया गया।

तोशाम। भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प करते हुए। फोटो : हरिभूमि

डॉ. आंबेडकर की जीवनी से मिलती रहेगी प्रेरणाः विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

डॉ. भीमराव अंबेडकर 135वीं जयंती नांगल दुर्गू में हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। जिसमें विधायक मंजू चौधरी मुख्य रूप से मौजूद रही। समाजसेवी डॉ. गजेसिंह चोपड़ा, कांग्रेसी नेता सत्यपाल दहिया, ओमप्रकाश मांडैया ने बतौर विशिष्ट अतिथि रहे। उन्होंने युवाओं को अंबेडकर की जीवनी से अवगत कराया तथा शिक्षित बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के संघर्षमय जीवन, उनके विचारों और संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। संविधान में प्रत्येक नागरिक को सर्वोच्च पद हासिल करने का अधिकार है। साथ ही प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकार दिए गए हैं जिनका हनन करना कानून अपराध है। डॉ. अंबेडकर ने विषम परिस्थितियों में उच्च शिक्षा हासिल करने के साथ समाज में फैली छुआछूत, अनपढ़ता तथा रूढीवादिता के खिलाफ संघर्ष किया था।

पूरी मानवता के लिए न्याय और वीरता के प्रतीक भगवान परशुराम : विरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव हालुवास में रविवार को भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में ग्रामीणों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया और भगवान परशुराम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के दौरान विशेष हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की गई। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने विधिवत रूप से हवन कुंड में आहुति डाली और भगवान परशुराम के चरणों में नमन किया। ग्रामीणों ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि का जोरदार स्वागत किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने भगवान परशुराम के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम केवल एक समाज विशेष के नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए न्याय और वीरता के प्रतीक हैं। कौशिक ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन हमें अधर्म के खिलाफ लडऩे और सत्य के मार्ग पर चलने की शिक्षा देता है।

भिवानी। परशराम जन्मोत्सव पर हवन में आहुति डालते हुए।

शहर हुआ राधामय, गूंजे राधे नाम के जयकारे

नारनौल। संस्था प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 190वीं व 191वीं प्रभात फेरी मोहल्ला बावड़ीपुर व सैनी धर्मशाला सलामपुरा से निकाली गई। सर्वप्रथम मुख्य यजमान दिनेश जांगिड़ व रजन सैनी परिवार के सदस्यों ने पावन ज्योति प्रज्ज्वलित की। संगठन संचालक घनश्याम गर्ग ने बताया कि संगठन की ओर से आज दो प्रभात फेरी का आयोजन अलग अलग स्थान से किया गया। उन्होंने बताया कि चार जून को नारनौल से मां वैष्णों देवी की पांच दिवसीय धार्मिक यात्रा चुलकाना धाम, ब्रम्हसरोवर कुरुक्षेत्र, शिवखोरी, गोल्डन टेम्पल अमृतसर व बाघा बॉर्डर के लिए जाएगी।

3 लाख से बिछाई इंटरलॉकिंग टाइल्स, यहां लगेंगी रेहड़ियां

दीपक कुमार ▶▶| डुमड़ा,बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा के शहीद गुलाब सिंह पार्क के सामने रेहड़ी चालकों, फल-सब्जी विक्रेताओं की भीड़ के कारण व भविष्य में कोई हादसा न हो इसको भांपते हुए नगर पालिका द्वारा हरियाणा ग्रामीण बैंक की पुरानी बिल्डिंग के सामने इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछवाने का कार्य किया है। अब रेहड़ी-पटरी संचालकों और सब्जी विक्रेताओं के लिए राहत बनकर आई है। नगर पालिका ने लगभग 3 लाख रुपये की लागत से इस स्थान का सौंदर्यीकरण और व्यवस्थापन किया है। बताया जाता है कि जल्द ही इनको यहां पर शिफ्ट किया जाएगा।

बवानीखेड़ा। इंटरलॉकिंग के लिए बिछाई टाइल्स। फोटो : हरिभूमि

नपा सचिव ने की थी मीटिंग

शहर की व्यवस्था को सुधारने के लिए नपा सचिव संदीप गर्ग द्वारा स्थानीय दुकानदारों, रेहड़ी चालकों आदि संग नपा कार्यालय में बैठक भी की थी और नगर पालिका ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। काम अब पूरा हो चुका है। बताया जाता है कि उच्च गुणवत्ता की इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई गई हैं।

किसी को न हो नुकसान

नपा प्रधान सुंदर अत्री ने बताया कि उनका मकसद शहर का विकास कार्य करना है और उसके लिए वे पार्षदों व नपा टीम सहित मिलकर रणनीति बनाकर उसे अमलीजामा पहनाने का कार्य करते हैं। उनका मकसद है कि किसी दुकानदार, रेहड़ीचालक, आमजन को नुकसान भी न हो और व्यवस्था भी बनी रहे।

स्थान निर्धारित होने से नहीं होगा विवाद

नगर पालिका द्वारा रेहड़ीचालकों, सब्जी विक्रेताओं के लिए स्थान निर्धारित किए जाने पर आए दिन इनके होने वाले विवाद पर भी ब्रेक लगेगी। क्योंकि अकसर रेहड़ी चालक एक दूसरे के स्थान पर रेहड़ी लगाने पर तू-तड़ाक की समस्याएं आम हो गई थी। इससे उनमें भी राहत देखने को मिलेगी। रेहड़ी वालों के लिए समय हुआ निश्चित- नगर पालिका सचिव संदीप गर्ग ने बताया कि इंटरलॉकिंग का मकसद केवल सुंदरता बढ़ाना नहीं, बल्कि बाजार को व्यवस्थित करना भी है। इस स्थान पर सब्जी व फल विक्रेताओं के लिए समय तय कर दिया गया है।

विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी: जेपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि लोहारू का लघु सचिवालय का विस्तार और लोहारू के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया जारी है। शीघ्र ही मुख्यमंत्री से मिलकर विकास के लिए करोड़ों रुपए मंजूर करवाए जाएंगे। उन्होंने दोहराया कि लोहारू के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

वे रविवार को क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में लोहारू का स्वरूप बदला है और यह करोड़ो रुपए की विकास योजनाएं क्रियान्वित है जिनके पूरा होने से आमजन को सुविधा मिलेगी और यह विकसित हलकों में शुमार होगा। उन्होंने कहा कि करोड़ों की लागत से लोहारू के किले को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है जिसका निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने योजना है कि लोहारू से दिल्ली एयरपोर्ट तक बंद हाईवे का निर्माण हो और बहल,लोहारू तथा सिवानी में औद्योगिक इकाई स्थापित हो ।

बहल। जनसंपर्क अभियान के दौरान लोगों से मिलते हुए पूर्व मंत्री जेपी दलाल।

बापोड़ा गांव में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर दो दिवसीय कार्यक्रम

भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पहलवान ओलम्पियन योगेश्वर दत्त ने शिरकत की

सांगी कलाकारों ने चन्द्रहास सांग के मंचन से बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव बापोड़ा में हरियाणा कला परिषद रोहतक मंडल के सौजन्य से आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव का दो दिवसीय कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। उत्सव के दूसरे दिन सांस्कृतिक छटा बिखेरते हुए सांगी रामशरण अत्री व उनकी टोली ने चन्द्रहास सांग का शानदार मंचन किया, जिसने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पहलवान ओलम्पियन योगेश्वर दत्त ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम न्याय एवं शक्ति के प्रतीक हैं। उन्होंने सदैव अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी और समाज को नई दिशा दी, हमें उनके बताए मार्ग पर चलते हुए धर्म और सत्य का साथ देना चाहिए। ओलंपियन योगेश्वर दत्त ने युवाओं और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में शिक्षा ही सबसे बड़ा अस्त्र है, अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर विशेष ध्यान दें और उन्हें बुरी संगत से बचाकर देश का जिम्मेदार नागरिक बनाएं। सांगी कलाकार रामशरण अत्री ने हरियाणवी लोककला सांग के माध्यम से केरल के राजकुमार चन्द्रहास के जीवन संघर्ष की गाथा सुनाई। उन्होंने बताया कि कैसे राजा मेधावी की मृत्यु एवं रानी के सती होने के बाद उनका पांच वर्षीय पुत्र अकेला रह गया। एक वफादार दासी ने राजकुमार की जान बचाई और उसे कुंतल पुर ले आई। सांग के दृश्यों में दिखाया कि कैसे उस दासी ने विपरीत परिस्थितियों में भजन गाकर बालक का पालन-पोषण किया। आगे चलकर राजा कुलंद की रानी की दया और फिर भाग्य के चक्र ने उस बालक को न केवल महल में जगह दिलवाई, बल्कि अंतः उसका विवाह राजा की पुत्री से हुआ और वह कुंतल पुर का राजा बना। अत्री की टीम द्वारा गाए किस्सों एवं भजनों पर ग्रामीण जमकर थिरके। भगवान परशुराम युवा सेवा समिति बापोंड़ा के सदस्यों ने आए अतिथियों का पगड़ी पहनाकर और भगवान परशुराम की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया।

बापोड़ा। परशुराम जन्मोत्सव पर चंद्रहास सांग का मंचन करते सांगी रामशरण।

ये रहे मौजूद

चेयरमैन सुंदर अत्री, बजरंग सरपंच, जयप्रकाश थानेदार, राजू पहलवान, मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक, डॉ. सतपाल, सतवीर गौड़, सियाराम शर्मा, गजानंद प्रधान, मुकेश बापोड़ा आदि मौजूद रहे।

भगवान परशुराम सर्व समाज के मार्गदर्शक : शर्मा

- भगवान परशुराम ने मानव को सत्कर्म और सच्चाई के रास्ते पर चलने की प्रेरणा दी : नरेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

रविवार को गांव ढाणी-कतवार में भगवान परशुराम सेवा समिति द्वारा बाबा बालक नाथ मंदिर में भगवान परशुराम जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता फौजी परमानन्द शर्मा ने की। जिसमें सर्व समाज ने प्रधान नरेश शर्मा को पगड़ी व फरसा भेट कर सम्मानित किया। प्रधान नरेश शर्मा ने कहा कि थे। वे अस्त्र व शस्त्र विद्या के विद्यमान थे।

भगवान परशुराम ने मानव को सत्कर्म और सच्चाई के रास्ते पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने समाज में बिना भेदभाव व जात-पात के समाज कल्याण के कार्य किए। युवाओं को भगवान परशुराम से प्रेरणा लेनी चाहिए। जयंती बनाने का उद्देश्य है कि जन-जन और हमारी युवा पीढ़ी संत-महापुरुषों के विचार से जुड़े। एडवोकेट सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम ने सर्व समाज के उत्थान के लिए अपना योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए और समाज की भलाई करते हुए शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को भी उनके दिखाए गए मार्ग का भी अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी समाज के लोगों का संगठित होना जरूरी है।

ये रहे मौजूद

एडवोकेट सुरेन्द्र शर्मा, अजीत सिहाग, शमशेर भाकर, रविन्द्र सिहाग, मनीराम शर्मा, विकास शास्त्री,सतबीर शर्मा, सत्यवान शर्मा, उप प्रधान राजेश शास्त्री, कोषाध्यक्ष राजेश डीपी, उमेद शर्मा,जगमाल शर्मा, बंशीलाल शर्मा,विनोद शर्मा, गोविन्द शर्मा, रविकान्त शर्मा, मुकेश शर्मा, सुमित शर्मा सहित गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

खबर संक्षेप

परशुराम जन्मोत्सव पर लोहारू में हुआ यज्ञ

लोहारू। नगर के भगवान परशुराम चौक पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर श्री ब्राह्मण महासभा द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय श्रद्धालुओं ने बढ़-चढकर भाग लिया। कार्यक्रम में नगरपालिका चेयरमैन प्रदीप तायल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान विभिन्न समाज के लोगों ने यज्ञ में आहुति डाली और भगवान परशुराम की शिक्षाओं को याद किया। मुख्य अतिथि प्रदीप तायल ने यज्ञ में आहुति डालकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम ने सदैव अत्याचार का दमन किया और दीन-दुखियों व जरूरतमंदों का साथ दिया। उनका जीवन हमें साहस और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। महासभा के संरक्षक पुरुषोत्तम लाल गौतम, पूर्व प्रधान प्रहलाद शर्मा और प्रधान सुरेंद्र शर्मा ने भगवान परशुराम कां नमन किया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम विष्णु के छठे अवतार हैं, जो सदियों से समाज को शास्त्र और शस्त्र के समन्वय की शिक्षा देते आ रहे हैं।

भाजपा से देश व प्रदेश का हर वर्ग दुखी एवं परेशान : प्रदीप

यूएस ट्रेड डील एवं एमएसपी कानून को लेकर धरने पर बैठे कांग्रेसी

किसानों की जमीन एवं युवाओं का भविष्य विदेशी कंपनियों को गिरवी रखना चाहती भाजपा सरकार: प्रदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। अनाजमंडी में धरने के दौरान विरोध जताते कांग्रेसी व किसान।

रविवार को नई अनाजमंडी में यूथ कांग्रेस द्वारा आयोजित किसान न्याय सत्याग्रह के जरिए कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। रैली में कांग्रेस के दिग्गज युवा नेताओं ने शिरकत की और यूएस ट्रेड डील को किसानों एवं युवाओं के हितों के खिलाफ बताते हुए इसे रद्द करने की मांग की। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मनदीप सुई ने की। इस दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल, हरियाणा यूथ कांग्रेस के प्रभारी सत्यवान गहलोत, हरियाणा यूथ कांग्रेस सहप्रभारी प्रियंका चंदेलिया व भिवानी जिला प्रभारी सोमिल संधू पहुंचे।

किसान न्याय सत्याग्रह के दौरान कांग्रेस नेता अनाजमंडी में धरने पर बैठे तथा यूएस ट्रेड डील का विरोध जताने के साथ एमएसपी गारंटी कानून लागू करने की मांग उठाई। कांग्रेस नेताओं ने फसल खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल ने सीधे तौर पर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा सरकार किसानों की जमीन और युवाओं का भविष्य विदेशी कंपनियों के हाथों गिरवी रखना चाहती है, जिसे सरकार ट्रेड डील कह रही है, वह असल में काला कृषि कानून 2.0 है। उन्होंने कहा कि जब तक यह जनविरोधी समझौता रद्द नहीं होता, कांग्रेस का सत्याग्रह रुकने वाला नहीं है। नरवाल ने कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आई है, तभी से प्रदेश का हर वर्ग दुःखी एवं परेशान है, क्योंकि भाजपा ने आमजन की बजाय पूंजीपतियों के हित की सोच रखते हुए योजनाएं लागू की है। इस मौके पर सुमित बराड़, यूथ कांग्रेस हल्का अध्यक्ष रजत कांगड़ा, ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष रेणूबाला, शिवकुमार, अनिल नेहरा, प्रवीण बूरा, मनजीत घणघस, सुमित चौपड़ा, जितेंद्र, मनोज, अनिल, हिमांशु ठाकुर, भूरिया, कालू ठाकुर, बाली, प्रतीक, समीर चड्ढा व गोविंद आदि मौजूद रहे।

किसानों की ढाल बनकर खड़ी रहेगी युवा कांग्रेस

हरियाणा यूथ कांग्रेस के प्रभारी सत्यवान गहलोत ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि आज भिवानी की मंडी में उमड़ा जनसैलाब गवाह है कि हरियाणा का किसान जाग चुका है। उन्होंने कहा कि वे गांव-गांव जाकर ट्रेड डील की हकीकत जनता को बताएंगे। युवा कांग्रेस सड़क से लेकर संसद तक किसानों की ढाल बनकर खड़ी रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रस्तावित ट्रेड डील भारतीय कृषि बाजार को तबाह कर देगी। महिला और युवा शक्ति का आह्वान करते हुए हरियाणा यूथ कांग्रेस सहप्रभारी प्रियंका चंदेलिया ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है और अब किसानों की उपज का सही दाम छीनने की साजिश रच रही है।

शहर में विकास तेज, 25 लाख से बनेगी गलियां

भिवानी। गली निर्माण कार्य का शुभारंभ करते नप चेयरमैन।

- गलियां कच्ची होने के कारण बारिश में होती है परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

शहर के वार्ड नंबर 19 में जल्द ही विकास कार्यों की नई तस्वीर देखने को मिलेगी। वार्ड के विभिन्न इलाकों में करीब 25 लाख रुपए की लागत से पक्की गलियों का निर्माण कराया जाएगा। इस कार्य से क्षेत्रवासियों को लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से राहत मिलने की उम्मीद है। इसी कड़ी में रविवार को नगर परिषद चेयरमैन बख्शी राम सैनी ने पार्षद अजय सांगवान के साथ मिलकर नारियल फोड़कर गली निर्माण का शुभारंभ किया है।

नगर पार्षद अजय सांगवान ने बताया कि वार्ड में कई स्थानों पर गलियां कच्ची होने के कारण बरसात के मौसम में जलभराव और कीचड़ की समस्या बनी रहती थी। स्थानीय निवासियों द्वारा बार-बार इस समस्या को उठाया जा रहा था। अब इस योजना के तहत पक्की गलियों का निर्माण कर समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा। इस मौके पर राकेश मान, राज सिंह, अर्पित अहलावत और साहिल सहित अन्य स्थानीय लोगों ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि गली निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि क्षेत्र की साफ-सफाई और स्वच्छता में भी सुधार आएगा। साथ ही बच्चों और बुजुर्गों को भी सुरक्षित आवाजाही का लाभ मिलेगा। चेयरमैन बख्शी राम सैनी ने कहा कि नगर परिषद शहर के हर वार्ड में समान रूप से विकास कार्य कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वार्ड नंबर 19 में गलियों के निर्माण से लोगों को राहत मिलेगी।

मार्केट न्यूज

भिवानी को मिली बड़ी सौगातः एमके हॉस्पिटल में अत्याधुनिक कैंसर विभाग का शुभारंभ

भिवानी। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में एमके हॉस्पिटल, भिवानी में 19 अप्रैल (रविवार) को Clearmedi के सहयोग से अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कैंसर विभाग का भव्य शुभारंभ किया गया। इस पहल से अब क्षेत्र के कैंसर मरीजों को उच्चस्तरीय उपचार के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। नए स्थापित कैंसर विभाग में मरीजों के लिए PET-CT स्कैन एवं रेडियोथेरेपी (उन्नत किरण चिकित्सा) जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जो कैंसर के सटीक निदान और प्रभावी उपचार में अहम भूमिका निभाएंगी। यह विभाग क्षेत्र के हजारों मरीजों के लिए एक नई उम्मीद बनकर उभरेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री बृजलाल सराफ तथा श्री एस.पी. सांगवान (वाइस प्रेसिडेंट, पैरा ओलंपिक कमेटी ऑफ इंडिया) ने शिरकत की। अतिथियों ने विधिवत उद्घाटन कर इस पहल की सराहना करते हुए इसे भिवानी के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया। एमके हॉस्पिटल प्रबंधन ने अपने संबोधन में कहा कि, "हमारा उद्देश्य मरीजों को विश्वस्तरीय कैंसर उपचार सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है, ताकि समय पर जांच और इलाज से अधिक से अधिक जीवन बचाए जा सकें।" उन्होंने आगे कहा कि अस्पताल भविष्य में भी उन्नत चिकित्सा सेवाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

डिजिटल जनगणना राष्ट्र निर्माण में साबित होगी मिल का पत्थरः गोयल

- वैश्य महाविद्यालय में डिजिटल स्व-गणना सारथी पर हुआ शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। स्व-गणना की जानकारी देते हुए।

वैश्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने कहा कि आगामी जनगणना 2027 भारत की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी, जो राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में मील का पत्थर साबित होगी। वे आज महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा डिजिटल स्व-गणना सारथी विषय पर आयोजित एक दिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन अवसर पर स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे। प्राचार्य ने कहा, वर्तमान युग डिजिटल क्रांति का है और इस राष्ट्रीय अभियान में हमारे स्वयंसेवक 'डिजिटल सारथी' के रूप में समाज और सरकार के बीच एक सेतु का कार्य करेंगे। उनकी भूमिका न केवल तकनीकी सहायता प्रदान करने की है, बल्कि एक जागरूक नागरिक के रूप में राष्ट्र को डिजिटल साक्षर बनाने की भी है। यह शिविर भारत सरकार के गृह मंत्रालय जनगणना कार्य निदेशालय, हरियाणा द्वारा 17 अप्रैल 2026 को जारी आधिकारिक पत्र के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित किया गया। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं आवास गणना) के लिए हरियाणा में 1 मई से 30 मई 2027 तक का समय निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर (डॉ.) कामना कौशिक एवं डॉ. मोहन लाल के कुशल नेतृत्व में स्वयंसेवकों की एक समर्पित टीम गठित की गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री के नाम से बना पार्क बना शराबियों का अड्डा, नागरिक हो रहे परेशान

- बंसीलाल पार्क की बदहाल स्थिति, प्रशासन को 5 दिन का अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। बंसीलाल पार्क में शराबियों द्वारा छोड़ी गई खाली बोत्तल दिखाते हुए।

हलवास गेट स्थित पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल के नाम से प्रसिद्ध पार्क इन दिनों बदहाली और अव्यवस्था का शिकार बना हुआ है। पार्क की स्थिति लगातार जर्जर होती जा रही है, लेकिन संबंधित विभाग और जिला प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। पार्क सौंदर्यकरण जागरूकता अभियान के सूत्रधार अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि यह पार्क अब सामाजिक गतिविधियों के बजाय शराबियों और आवारा कुत्तों का अड्डा बन गया है, जिससे यहां आने वाले नागरिकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। असुरक्षित महसूस कर रहे है लोग सुबह और शाम सैर करने वाले लोगों, खासकर महिलाओं और सीनियर सिटीजन के लिए यह पार्क असुरक्षित होता जा रहा है। पार्क के अंदर खुलेआम शराब पी जाती है और बोतलें इधर-उधर फेंकी जाती हैं, जिससे आए दिन झगड़े और विवाद की घटनाएं सामने आती हैं। अशोक भारद्वाज ने कहा कि महिलाओं और बेटियों के लिए यहां से गुजरना भी मुश्किल हो गया है। वहीं, पार्क की पगडंडियों की खराब स्थिति के कारण बुजुर्गों को गिरने का खतरा बना रहता है।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत 21 को शिक्षा बोर्ड में शिक्षकों को सिखाएंगे प्राकृतिक खेती के गुर

भिवानी। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत 21 अप्रैल को भिवानी आएंगे। राज्यपाल शिक्षा बोर्ड के अलावा विभिन्न कार्यक्रमों में शिकरत करेंगे।उल्लेखनीय है कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड में 21 अप्रैल को प्राकृतिक खेती पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस विशेष कार्यशाला में राज्यपाल द्वारा प्रदेशभर से शिक्षकों प्राकृतिक खेती के साथ-साथ संस्कारयुक्त शिक्षा पर विशेष संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बोर्ड परिसर में रह रहे करीब 250 परिवारों को दो-दो मिट्टी के गमले भी दिए जाएंगे, जिनमें वे प्राकृतिक खाद का प्रयोग कर दो-दो पौधे या किसी सब्जी की बेल लगा सकेंगे। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षण देने के लिए कुरुक्षेत्र से एक विशेष टीम भी आएगी। राज्यपाल देवव्रत 21 अप्रैल को 11 बजे हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचेगे, जिसमें वे शिक्षकों को प्राकृतिक खेती करने व उसके फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे।

गांव सांवड के संकल्प पुस्तकालय में युवाओं के लिए लगाया निःशुल्क पुस्तक मेला

चरखी दादरी। गांव सांवड के संकल्प पुस्तकालय में युवाओं के लिए निशुल्क पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। सेवा संकल्प संगठन द्वारा विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए 17 अप्रैल से पुस्तक मेले का आयोजन करवाया जा रहा है। पुस्तक मेले के दौरान पुस्तकालय में उपलब्ध किसी भी प्रकार की पुस्तकें जरूरतमंद विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जा रही हैं। सुबह 10 से शाम 8 बजे तक युवा पुस्तकालय में पहुंचकर पुस्तके प्राप्त कर सकते हैं। पुस्तक मेले में प्रतियोगी परीक्षाओं एवं सिलेबस से संबंधित पुस्तक लेने के लिए विद्यार्थी पहुंचे। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा विभिन्न कक्षाओं के सिलेबस बदले जाने के कारण युवाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। बाजार में अभी तक मात्रा के अनुसार किताबें नहीं पहुंची है जिसके कारण विद्यार्थियों को नए सिलेबस की किताबें प्राप्त करने में कठिनाई आ रही हैं। पुस्तकालय प्रबंधन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि पुस्तकालय या संगठन निशुल्क पुस्तके वितरित कर रहा है, ग्रामीणों द्वारा जो पुस्तक लाइब्रेरी में दी जाती है उन्हें का वितरण किया जा सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए जिला प्रशासन के माध्यम से सैकड़ो किताबें प्राप्त हुई है जिनका भी उचित वितरण करवाया जा रहा हैं। संकल्प पुस्तकालय सचिव गौरव गर्ग ने बताया कि पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित लगभग 400 से ज्यादा किताबें हैं। सिलेबस से संबंधित भी दर्जनो पुस्तके उपलब्ध हैं।

दिव्यांगों की समस्याओं का किया समाधानः एडीसी

भिवानी। दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित प्रयास स्पेशल स्कूल में डीसी साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार आयोजित विशेष कैंप में दिव्यांग बच्चों के सामने आ रही चिकित्सा, पेंशन, आधार कार्ड, पहचान पत्र से संबंधित समस्याओं का मौके पर समाधान किया। शिविर के दौरान ही संबंधित दस्तावेज पूरे आवेदन करवाए गए, जिनका लाभ शीघ्र ही दिव्यांगजनों को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि डीसी श्री गुप्ता ने प्रयास स्पेशल स्कूल में एडीसी दीपक बाबू लाल करवा की देखरेख में स्पेशल शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए थे। शिविर में क्रीड, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, कल्याण विभाग आदि प्रमुख विभागों ने स्टॉल लगाकर दिव्यांग बच्चों के संबंधित योजनाओ के बारे में जानकारी दी थी।

महिला कॉलेज में पारितोषिक वितरण समारोह में मेधावियों को किया सम्मानित

बाढ़डा। राजकीय महिला महाविद्यालय बाढ़ड़ा में प्राचार्य प्रोफेसर अनिल कुमार के नेतृत्व में पांचवे वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्यतिथि के रूप में बाढ़ड़ा के एसडीएम आशीष सांगवान ने शिरकत की। महाविद्यालय प्राचार्य अनिल व कालेज काउंसलिंग सदस्यों ने मुख्यतिथि एसडीएम आशीष सांगवान का पुष्प गुच्छ भेट कर स्वागत किया।

समारोह का शुभारंभ द्वीप प्रज्जवलन, सरस्वती वंदना व महाविद्यालय गीत के साथ हुआ। प्राचार्य ने वार्षिक रिपोर्ट का विवरण प्रस्तुत की। इसके साथ ही कालेज की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद, एनएसएस, विज्ञान प्रदर्शनी, महिला प्रकोष्ठ व अन्य गतिविधियों की वार्षिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एसडीएम आशीष सांगवान ने शैक्षणिक गतिविधियों के साथ अन्य गतिविधियों के विजेता छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी प्रोफेसर सूबेसिंह ने टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ सदस्यों व विजेता छात्राओं का आभार जताया।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

पहल विधायक ने गोशाला में दिए 13 लाख 27 हजार रुपये

गऊ, गुरुजन व मां-बाप की सेवा सबसे बड़ीः वाल्मीकि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम में पहुंचने पर विधायक का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बवानी खेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने कहा कि गऊ, गुरुजन और मां बाप की सेवा बढ़ कर कोई सेवा नहीं। विधायक कपूर सिंह ने तालु गौ लोक धाम गौशाला में 13 लाख 27 हजार रूपये की नकद धनराशि के चैक दो चैक गौशाला कमेटी को सौंपे। विधायक वाल्मीकि गांव तालु स्थित गौ लोक धाम गौशाला के कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। कपूर सिंह बाल्मीकि ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार गौवंश को बचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि मां-बाप और गौ सेवा से बढक़र कोई सेवा नही है। साधन संपन्न लोग गौ शालाओं के संचालन में अधिक से अधिक सहयोग करें। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे खेतों में गाय की गोबर से बनी खाद का प्रयोग करें ताकि हमें खाने को जहर मुक्त अनाज मिल सके। उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद्य पदार्थों के प्रयोग से जमीन भी जहरीली हो गई है। जहरीले खान-पान से हमारे खून पसीने की कमाई का पैसा मजबूरीवश बीमारियों पर खर्च करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमें गौ माता के साथ-साथ जमीन को भी बचाना जरूरी है। इससे हमें शुद्ध चीजे खाने को मिलेंगी।

पीएम के नेतृत्व में देश को मिल रही नई पहचान

विधायक कपूर वाल्मीकि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति को विश्व में अलग पहचान मिल रही है। पूरा विश्व भारत को योग गुरु मानता है। विकसित भारत के लिए सरकार किसान, मजदूर, छोटे व्यापारियों, महिलाओं सहित सभी वर्ग के लोगों के आर्थिक उत्थान के लिए वचन बद्धता के साथ विभिनं योजनाओं को क्रियान्वित कर रही है। इस अवसर पर गौशाला प्रधान रामफल, जयप्रकाश मास्टर, सुरेश सरपंच, राजा पांचाल, पूर्व सरपंच राजवीर, जोगेंद्र सिंह, रामेहर मास्टर, विजय वाल्मीकि, धर्मपाल शर्मा, करतार बरला, रामवीर, राजकुमार , सतीश कुमार, साधु राम, सत्येंद्र शर्मा, डॉ जसवंत सिंह, विजेंद्र पंघाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सन्त निरंकारी मिशन द्वारा 24 को मानव मनाया जाएगा एकता दिवस

भिवानी। जब मानव हृदय में प्रेम की मधुर धारा अविरल प्रवाहित होती है, तभी मानवता का वास्तविक और पावन स्वरूप प्रकट होता है। यह वही स्थिति है जहाँ समस्त भेदभाव स्वतः विलीन हो जाते हैं और करुणा, समरसता तथा सार्वभौमिक भाईचारे का भाव जीवन्त हो उठता है। इसी दिव्य आध्यात्मिक चेतना को साकार करने के लिए संत निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंह की पावन स्मृति में 'मानव एकता दिवस' 24 अप्रैल को श्रद्धा, समर्पण और प्रेममय वातावरण में आयोजित किया जाएगा, जो संपूर्ण मानव जाति को एकत्व, सेवा और सद्भाव का अमूल्य संदेश प्रदान करेगा। सत्गुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में दिल्ली के बुराड़ी स्थित सरोवर के सम्मुख ग्राउंड नं. 2 में एक भव्य एवं दिव्य सत्संग का आयोजन किया जाएगा, जहां श्रद्धालु भक्त प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिकता के अद्वितीय संगम का अनुभव करेंगे। यह पावन अवसर केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मिक जागृति का उत्सव होगा, जो प्रत्येक हृदय को ईश्वरीय एकत्व के अनुभव से जोड़ते हुए आंतरिक शांति और संतोष की अनुभूति कराएगा। दिल्ली के मुख्य आयोजन स्थल पर प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक रक्तदान शिविर गहन श्रद्धा, समर्पण और सेवा-भाव के साथ आयोजित किया जाएगा।

फोकस रेलवे लाइन के पास मिला युवक का शव, मामले दर्ज

भिवानी। भिवानी रेलवे लाइन के पास एक युवक का शव मिला। शुरुआती जांच में युवक की मौत प्राकृतिक रूप से होना लग रहा है। फिलहाल रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल भेज दिया। रेलवे पुलिस मामले की जांच कर रही है। रेलवे पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह रेलवे स्टेशन अधीक्षक ने रेलवे पुलिस को सूचना दी थी कि एक युवक का शव रेलवे लाइन के पास पड़ा है। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस शव को लेकर अस्पताल पहुंच गई।जांच पड़ताल के दौरान शव पर कोई भी चोट का निशान नहीं नजर आया। मृतक की पहचान राजस्थान के एक युवक के रूप में हुई।

शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण
आर्यन कोचिंग
स्याई एकेडमी (विश्वास का दूसरा नाम)
12वीं के बाद सरकारी नौकरी
नया बैच आरम्भ
अग्निवीर | SSC | रेलवे
हरियाणा पुलिस | हरियाणा ग्रुप-डी | CET
AIRFORCE | NAVY | ARMY
पता : बस स्टैंड के पास, चरखी दादरी
9050035973, 9812611926